



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 130]  
No. 130]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 1981/चैत्र 11, 1903  
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 1981/CHAITRA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1981

सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 261(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, विमान के अतिरिक्त पार्जों को, विमान की मरम्मत करने के लिए उनका भारत में आयात किया जाए, उन पर उद्ग्रहणीय उस सीमा-शुल्क के, जो सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, उतने भाग से जो मूल्यानुसार 3 प्रतिशत से अधिक है और दूसरे उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से छूट देती है।

[सं. 99/फा. सं. 355/80-सीमा-शुल्क-1]

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st April, 1981

CUSTOMS

G.S.R. 261(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of

1962) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts aeroplane spare parts, when imported into India for the servicing of aeroplane, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, as is in excess of 3 per cent *ad valorem* and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act.

[No. 99/F. No. 355/150/80-Cus. 1

सा.का.नि. 262(अ).—केन्द्रीय सरकार वित्त विधेयक, 1981 के खण्ड 47 के उपखण्ड (4) के साथ, जिसे खण्ड को अनुन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल प्राप्त है, पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 46-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च 1981 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 194 और उसके संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियां अतः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :

“195 सं./99-सीमा-शुल्क, तारीख 1-4-1981”।

[सं. 100/फा. सं. 355/150/80-सीमा-शुल्क-1

के. चन्द्रमौली, अवसर सचिव

**G.S.R. 262(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-clause (4) of clause 47 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill Under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 46-Customs dated the

1st March, 1981, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 194 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be inserted, namely :—

"195 No. 99—Customs, dated the 1st April, 1981".

[No. 100/F. No. 355/150/80-Cus. I]  
K. CHANDRAMOULI, Under Secy.